बंकिम सेठी

अकादेमी पुरस्कारः संगीत की अन्य प्रमुख परम्पराएं (ओडिशी संगीत)

श्री बंकिम सेठी का जन्म 10 मई 1949 को ओडिशा के बालासोर में हुआ था। श्री सेठी ने परंपरागत ओडिशी संगीत में शुरूआती प्रशिक्षण अपने भाई गंगाधर सेठी से प्राप्त किया था। बड़े पैमाने पर, संगीत के सुप्रसिद्ध विशेषज्ञों सिंघारी श्यामसुंदर कर, मार्कंडेय महापात्र, तथा बालकृष्ण दास ने आपकी प्रतिभा को निखारा था। उत्कल संगीत महाविद्यालय, भुवनेश्वर में, आपने हिन्दुस्तानी एवं कर्नाटक संगीत से परिचय करवाया था।

श्री बंकिम सेठी ने अपने करियर की शुरूआत 1960 के दशक के मध्य में ओडिशा के जात्रा थियेटर में संगीत निदेशक के रूप में की थी। उसके बाद, वह नृत्य संगीत की ओर आकर्षित होते चले गए। आपने इस कार्यक्षेत्र में अपनी एक पहचान बनाई, अग्रणी ओडिशी नृत्यांगनाओं सोनल मानसिंह, किरन सहगल, माधवी मुद्गल, अलोका पणिक्कर तथा रंजना गौहर के लिए संगीत तैयार किया है। चूंकि आप दिल्ली आ गए थे, इसलिए आपने जगन्नाथ सांस्कृतिक केन्द्र में संगीत गुरू के रूप में कार्य किया, ओडिशी संगीत सभा के महासचिव रहे, और पी.पी. कला निकेतन में संगीत निदेशक रहे। इस समय आप सांस्कृतिक नृत्य केन्द्र के प्रधानाचार्य हैं। एक पारंगत गायन विशेषज्ञ, श्री सेठी ने विश्वभर में सुप्रसिद्ध समारोह–स्थलों पर प्रस्तुति देते हुए नृत्य कलाकारों के साथ मंच पर अपना संगीत दिया है। अपने मुख्य हित पर ध्यान देते हुए, उसी समय संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से सीनियर रिसर्च फैलोशिप की सहायता से ओडिशी संगीत के रूपों जैसे चम्पू, चौपदी तथा चौतिशा में अनुसंधान किया था। उनके द्वारा बनाई गई ओडिशी संगीत सभा के माध्यम से, वह ओडिशी संगीत के संवर्धन के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। आपने विभिन्न भाषाओं में नृत्य–नाटिकाओं के लिए संगीत तैयार किया है, और *दारूब्रह्मा सूर्य* और *श्रीक्षेत्र* जैसी उड़िया फिल्मों में अपनी आवाज़ भी दी है। अब संगीत के विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम पुस्तक तैयार करने के साथ–साथ ओडिशी संगीत तथा नृत्य के लिए चिह्नों द्वारा चित्रण की गई पुस्तकें तैयार कर रहे हैं।

श्री सेठी ने अपने कार्य के लिए सुर सिंगार संसद, मुम्बई (1988) से सुरमानी पदवी, और ओडिशा संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार (2010) सहित कई सम्मान प्राप्त किए हैं।

श्री बंकिम सेठी को ओडिशी संगीत में योगदान के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।